डिजीटल पत्र

कांग्रेस दर्पण

दैनिक

पटना, 28 अप्रैल, शुक्रवार, 2023

सरकार बनी तो बस में मुफ्त होगा सफर महिलाओं से कांग्रेस का बड़ा वादा : राहुल

पटना। कांग्रेस दर्पण

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक में पांचवीं चुनावी 'गारंटी' की घोषणा करते हुए राज्य में सार्वजनिक परिवहन की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का वादा किया. राहुल गांधी ने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया. उन्होंने कांग्रेस द्वारा चुनावी गारंटी पूरी नहीं किए जाने के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर भी निशाना साधा. यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''चार मौजूदा (चुनावी) गारंटी में हम एक और गारंटी जोड़ेंगे. यह महिलाओं के लिए होगी। मोदी जी, ध्यान से सुनिए. कांग्रेस के सत्ता में आते ही पहले दिन पांचवीं गारंटी भी लागू की जाएगी, जिसके तहत पूरे कर्नाटक में महिलाएं सार्वजनिक परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा करेंगी.'' उन्होंने आरोप लगाया, ''आपके (भाजपा) लोगों ने 40 फीसदी कमीशन के जरिये कर्नाटक की महिलाओं के पैसे लूटे, ये आपका काम रहा, जबकि हमारा काम कर्नाटक की महिलाओं को राज्य के पैसे का लाभ देना है. इसलिए, कांग्रेस के चुनाव जीतने के तुरंत बाद जब भी आप बसों में किसी महिला से मिलेंगे, तो वे बसों में यात्रा करने के लिए एक रुपया नहीं दे रही होंगी.'' उल्लेखनीय है कि कांग्रेस द्वारा घोषित चुनावी 'गारंटी' में कहा गया है कि 'गृह ज्योति' योजना के तहत हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 'गृह लक्ष्मी' योजना के तहत परिवार की प्रत्येक प्रमुख महिला को 2,000 रुपये प्रति माह, 'अन्न भाग्य' के तहत बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को हर महीने 10 किलोग्राम चावल की पेशकश की जाएगी. इसके अलावा 'युवा निधि' के तहत बेरोजगार स्नातकों को प्रति माह 3,000 रुपये तथा डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 1,500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे.

कर्नाटक का चुनाव परिणाम देश का राजनीतिक स्वरूप और लोगों का मूड बदल देगा

पटना। कांग्रेस दर्पण

हम व्यक्तिगत सफलता के बजाय देश हित में इस चुनाव को जीतना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण मानता हूं। देश कई समस्याओं का सामना कर रहा है। लोकतांत्रिक मानदंडों का उल्लंघन किया जा रहा है, संविधान की अनदेखी की जा रही है, स्वायत्त निकायों का दुरुपयोग किया जा रहा है और केवल कर्नाटक में ही नहीं, बल्कि कई जगहों पर भी कानून और व्यवस्था नहीं है। जो लोग राज्यों और देश पर शासन कर रहे हैं वे मौजूदा कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं। कार्यपालिका और न्यायपालिका को कानूनों को लागू करने की अनुमति देने के बजाय, वे नियमों और विनियमों को अपने हाथ में ले रहे हैं। इसलिए यह चुनाव जीतना बहुत जरूरी है। देश की प्रतिष्ठा और शान के लिए, यह चुनाव जीतना बहुत जरूरी है। यह चुनाव निश्चित रूप से पूरे देश के राजनीतिक स्वरूप और लोगों के मूड को बदल देगा। यह एक राज्य का चुनाव है और लोगों ने पार्टी का विरोध किया और भाजपा सरकार को बताना चाहिए कि उन्होंने कर्नाटक के साथ क्या किया है। उन्हें कितना निवेश मिला, उन्होंने कितना बुनियादी ढांचा तैयार किया, उन्होंने कितना सिंचाई का विकास किया, कितनी सड़कें बनाईं। भारत की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बंगलुरु शहर का रखरखाव कैसे किया। '40% कमीशन' का भ्रष्टाचार क्यों है? हम पूछ रहे हैं कि आप लोगों ने अपने शासन में क्या किया। बीजेपी नेता मोदी के नाम पर वोट मांग रहे हैं। क्या मोदी प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने वाले हैं?

कांग्रेस कर्नाटका में सरकार बनाने जा रही हैं। हम किसी पर निर्भर नहीं हैं। निश्चित तौर पर हमें बहुमत मिलेगा और यही हमारा आकलन है और यही हमारा सर्वे कहता है। इसलिए अगर कोई कहे कि हमें इतना बहुमत नहीं मिलने वाला है और वह त्रिशंकु हो जाएगा, तो मैं नहीं मानता। हम सिर्फ चुनाव की ही बात नही रहे हैं? हम जनता के हित में मुद्दे उठा रहे हैं और जनता के पैसे लिए जा रहे हैं। हम संसद के माध्यम से लोगों को समझाना चाहते थे कि यह वह पैसा है जो आपने जीवन बीमा निगम में निवेश किया है या बैंक में जमा किया है, लेकिन नियमों में ढील देकर वह पैसा किसी और की जेब में जा रहा है। इसलिए देशहित में हम विरोध कर रहे हैं। राहुल गांधी ने पूछा कि शेल कंपनियों में निवेश के लिए आपको 20,000 करोड़ रूपये कहां से मिले। उन्होंने पूछा कि वह (गौतम अडानी) आपके साथ कितनी बार आए (मि. मोदी)। ऐसे सवाल सरकार के लिए शर्मनाक हैं। इसलिए, उन्होंने उन्हें संसद से अयोग्य घोषित कर दिया।

आनंद मोहन की रिहाई पर हाय तौबा मचाने वाले लोग राजनैतिक पागलपन के शिकार-: डॉ संजय कुमार

संविधान की धारा 161 और सीआरपीसी की धारा 433अ में सजायाफ्ता बंदी के रिहाई का प्रावधान सुनिश्चित है

पटना।कांग्रेस दर्पण

किसी भी सजायाफ्ता बंदी की रिहाई प्रक्रिया में जटिलता की शुरुआत वर्ष 2003 से हुई। उससे पहले कोई भी सजायाफ्ता बंदी की जब रिहाई होती थी तो कोई हाय तौबा नहीं मचता था। तब आजीवन कारावास प्राप्त बंदी 14 वर्ष की अपनी वास्तविक सजा अवधि और परिहार सहित जब 20 वर्ष की सजा पूरी कर लेता था तो जेल अधीक्षक स्वतः ही उसे रिहा करने के लिए स्वतंत्र होता था, और उक्त बंदी को जेल से रिहा कर दिया जाता था। उक्त बातें कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय कुमार ने कही

बकौल डॉक्टर संजय, मा. सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस आफताब आलम की खंडपीठ ने आजीवन कारावास प्राप्त बंदियों के लिए अपना **observation** दिया कि जो भी बंदी आजीवन कारावास प्राप्त कर चुके हैं कानून के मुताबिक उन्हें ताउम्र जेल में ही रहना होगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी यह निर्देश कानूनी तौर पर कोई मामूली बखेड़ा खड़ा करने वाला नहीं था। तमाम राज्यों की सरकारों के कान खड़े हो गए। लेकिन एक बात जो उसमें सरकार के लिए राहत भरी थी और वो यह कि सीआरपीसी की धारा 433अ को ध्यान में रखते हुए उसमें बंदियों की रिहाई के कार्यान्वयन प्रक्रिया को कोर्ट ने सरकार के ऊपर छोड़ दिया। जिसमें सरकार को यह विशेषाधिकार दिया गया कि अपने स्तर पर सरकार एक कमिटी बनाकर आजीवन कारावास प्राप्त बंदियों को उनके

आचरण के मुताबिक उनकी वास्तविक सजा का 14वर्ष और परिहार सहित 20 वर्ष की सजा पूरी होने के पश्चात उन्हें असमय कारामुक्ति सुनिश्चित करे। क्योंकि कारागार एक सुधारगृह है , न कि यातनागृह ।।

डॉक्टर संजय ने कहा कि उसके बाद से देश के लगभग सभी राज्यों की सरकारों ने अपने डायरेक्टिवप्रिंसिपलऑफस्टेटपॉलिसी के तहत जेल मैनुअल में संशोधन कर आजीवन कारावास प्राप्त बंदियों की रिहाई के लिए राज्यपरिहारपरिषद का गठन किया। उसके तहत बंदियों की रिहाई से पहले उनके आचरण के संदर्भ में संबंधित जिले के एसपी, प्रोबेशन पदाधिकारी, जेल अधीक्षक एवं जिस कोर्ट से बंदी को सबसे पहले सजा दी गई , उस प्रीजाईडिंग कोर्ट से ओपिनियन प्राप्त हो जाने के बाद बंदी की रिहाई फाइल को राज्य परिहार परिषद के समक्ष रखा जाता है। तभी राज्य परिहार परिषद उक्त बंदी को छोड़ने या फिर नहीं छोड़ने पर विचार करती है।

डॉक्टर संजय ने बताया कि सजायाफ्ता बंदी की रिहाई प्रक्रिया में बिहार सरकार ने उसी दौरान कुछ संशोधन किए थे। उसके तहत किस तरह के अपराध को करने वाले बंदी की रिहाई सुनिश्चित की जाएगी और किस प्रकार के अपराध को करने वाले सजायाफ्ता बंदियों की रिहाई नहीं होगी।

उसके तहत बिहार सरकार ने अपने रिहाई पॉलिसी में यह तय किया था कि_

* डकैती के साथ हत्या
*बलात्कार के साथ हत्या
*किसी भी सरकारी कर्मी की ड्यूटी के दौरान हत्या
* आतंकवादी घटनाओं में लिप्त
*सामूहिक नरसंहार या हत्या
आदि आदि

घटनाओं में लिप्त आजीवन कारावास प्राप्त बंदियों की रिहाई राज्य परिहार परिषद द्वारा नहीं की जायेगी।

बस केवल राज्य सरकार द्वारा बनाई गई यही एक पॉलिसी श्री आनंद मोहन की रिहाई में बाधक थी। इसी पॉलिसी को सरकार ने संशोधित कर दिया और फिर आनंद मोहन जेल से बाहर आ गए।

इस बाबत डॉक्टर संजय ने आनंद मोहन की रिहाई पर सवाल उठाने वाले लोगों से पूछा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर उनकी सजा 2003 से पहले पूरी हो जाती तो क्या जो लोग आज इतनी हाय तौबा मचा रहे हैं , उस दौर में मचा पाते क्या??शायद नहीं।क्योंकि वहां उनके लिए कुछ गुंजाइश ही नहीं बची थी।

उन्होंने कहा कि सीआरपीसी या फिर भारत के संविधान से ऊपर कोई भी नहीं है। न तो सरकार और न ही कोर्ट।।

बहरहाल, जब सीआरपीसी में रिहाई का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है तो फिर उसपर सवाल उठाने वाले लोग या तो पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं या फिर मानसिक दिवालियापन के शिकार हैं। इसलिए डॉक्टर संजय ने अपील की कि सभी को कानून का सम्मान करते हुए उनकी रिहाई का स्वागत करना चाहिए।

संत सूरदास की जयंती में व्याख्यान देंगे डॉ अजीत सिंह

पटना।कांग्रेस दर्पण

....मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा विभाग) बिहार सरकार द्वारा आज पूर्वान्ह 11:00 बजे से संत सूरदास की जयंती के उपलक्ष्य में समारोह आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम में मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में सहायक प्राध्यापक डॉ अजीत सिंह व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। भक्ति कालीन साहित्य, विशेष रूप से संत साहित्य में डॉ अजीत सिंह अपना विशिष्ट स्थान रखते हैं, एवं महर्षि मेंही परमहंस की संत परंपरा में दीक्षित हैं। उनके आध्यात्मिक अवदान को देखते हुए हाल ही में उन्हें विद्यासागर की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया गया है।. कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी प्रगति समिति के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण जी करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने हेतु आधिकारिक वेबसाइट http://rajbhasha.bihar.gov.in पर लिंक प्राप्त किया जा सकता है।

आज की चिट्ठी

जिला कांग्रेस कमेटी टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड
27 अप्रैल 2023

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

मेरा सवाल है कि क्या गौतम अडानी समूह की संपत्ति जो कि वर्ष 2014 में सिर्फ 800 करोड़ रूपये थी, वर्ष 2019 में 1000 करोड़ थी और वर्ष 2022, में 14000 करोड़ रूपये हो गई है ?

क्या सार्वजानिक बैंक, छक्ध, प्रोविडेंट फण्ड, पेंशन फण्ड तथा अन्य सार्वजानिक पैसा भी इस कार्य में लगा हैं ?

क्या इस अप्रत्याक्षित/ अस्वाभिक वृद्धि, के वावजूद इतने सालों में, सेबी और अन्य वित्त नियंत्रक संस्थाओं ने, इसका अध्ययन किया है ?

जनता के धन की सुरक्षा और राष्ट्रहित में यह कार्य किया जाना आवश्यक था.

सादर
राकेश राणा, जिलाध्यक्ष
जिला कांग्रेस कमेटी टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड।

क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

पटना। कांग्रेस दर्पण

बगहा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी जयेश मंगल सिंह उर्फ जय सिंह जी क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा आवेदन में बताया कि बगहा विधानसभा क्षेत्र में दो ज्वलंत समस्याएं ऐसी है कि जिससे क्षेत्र के लोग परेशान हैं।सिकरहना नदी पर बहुअरवा साधु पुल लगभग डेढ़ वर्ष से ध्वस्त है।अक्त पुल से होकर दो दर्जन गांवों के लोगों का आना जाना लगा रहता है। बीते वर्ष 21फरवरी को ध्वस्त हो गया उसके बाद पुल के बगल से आने जाने के लिए डायवर्सन बनाया गया जो बरसात में बाढ़ के साथ बह गया। बड़े वाहनों के लिए आना जाना मुश्किल है।

बरसात आने वाला है। यदि पुल का नव निर्माण नहीं होता है तो आवागमन ठप हो जाएगा।मसान नदी किनारे रायबारी महुअवा से तमकुही तक लगभग तीन किलोमीटर की दुरी तक पक्का बाध का निर्माण नहीं होने से प्रति वर्ष हजारों लोग प्रभावित होते हैं । उनकी फसल काल की गाल में समा जाती हैं साथ ही दर्जनों लोग का घर मसान नदी में समा जाता है।ईस

संदर्भ में एस डी एम बगहा को भी अवगत कराया जा चुका है। नवागत जिलाधिकारी दिनेश राय ने आश्वासन दिया कि दोनों समस्याओं के समाधान की पहल होगी।

जगदीशपुर विधान सभा अध्यक्ष निलंबित : श्रीमती सुशीला देवी

जगह ताड़ने वाले के लिए कड़ी निर्देश जारी किया गया जो व्यक्ति पद ले लिए हैं और काम नहीं कर रहे हैं उनकी खैर नहीं युक्त बाते श्रीमती सुशीला देवी ने पोस्ट कार्ड भरने के दौरान कहीं उन्होंने जगदीशपुर विधान सभा अध्यक्ष को निलंबित किया और उनकी जगह श्रीराम सिंह को वहाँ के विधान सभा अध्यक्ष मनोनीत किया ! श्रीराम सिंह उभरते युवा नेता हैं वे हमारे हर काम में मदद करते हैं !

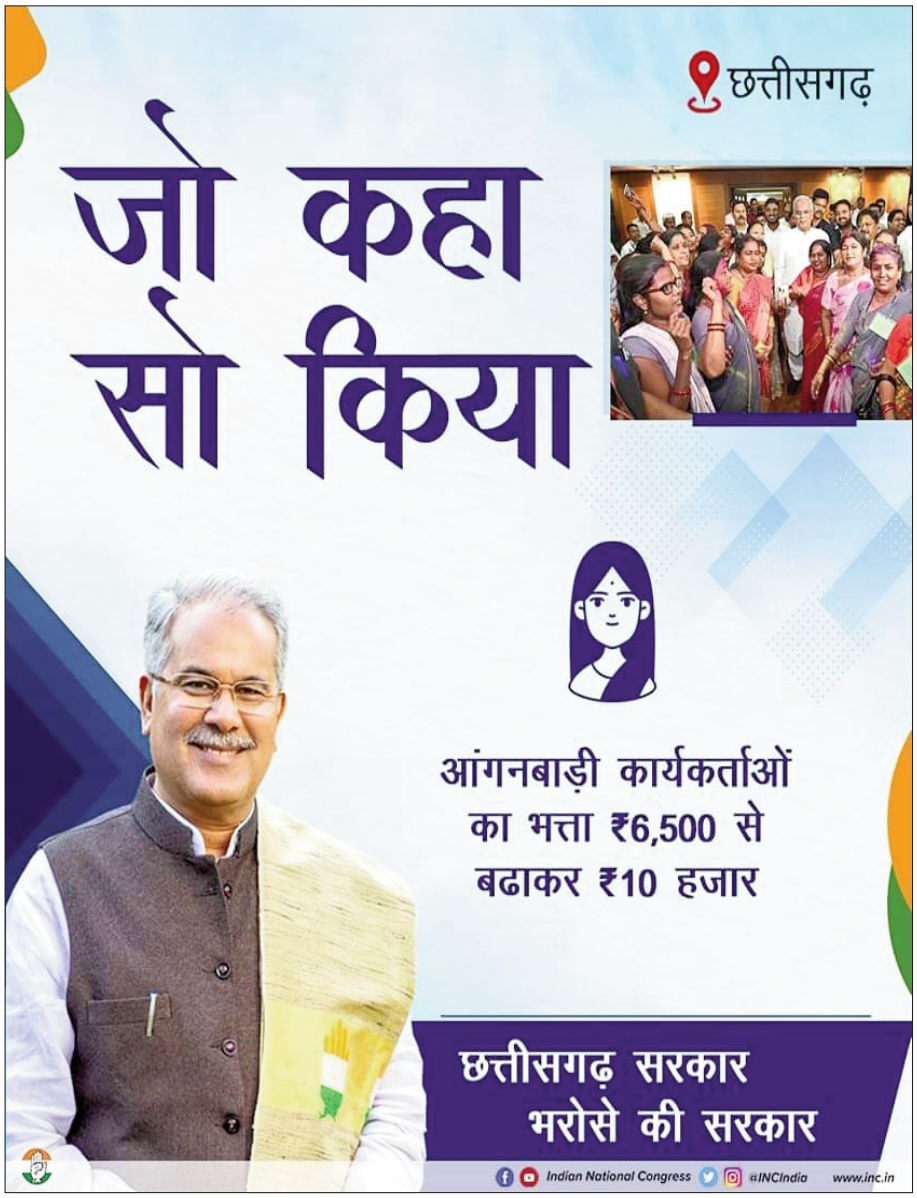

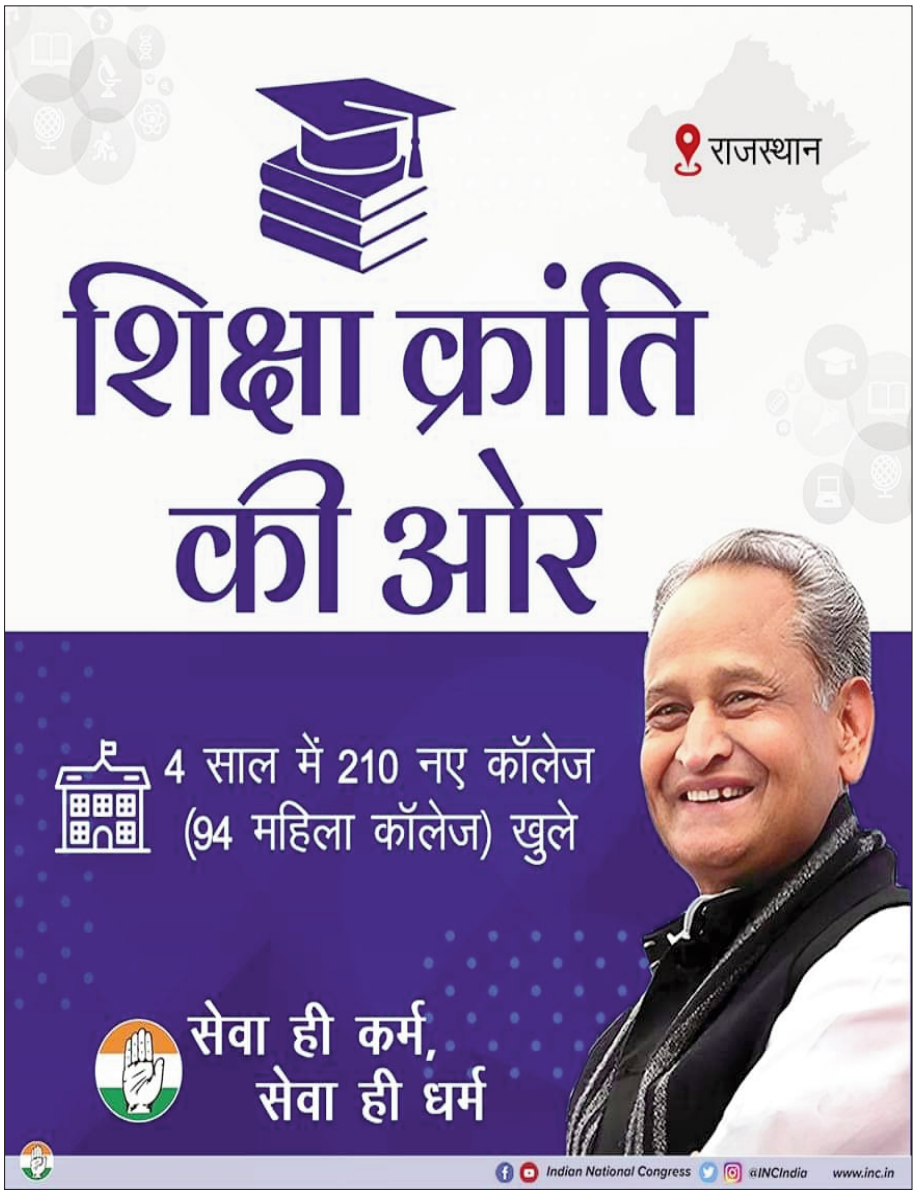

छात्र नेताओं ने परीक्षा नियंत्रक डॉ आनंद कुमार सिंह को किया सम्मानित

पटना।कांग्रेस दर्पण

बोधगया। गया कॉलेज गया छात्र संगठन के विद्यार्थियों ने मगध विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक डॉ आनंद कुमार सिंह को पुष्प गुच्छ एवम पौधा देकर सम्मानित किया। राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित विशाल राज ने कहा कि मगध विश्वविद्यालय पिछले 2 वर्षों से बहुत ही गंदी स्थिति में चली गई थी। ना ही कोई परीक्षा लिया जा रहा था ना ही डिग्री दी जा रही थी और ना ही कोई कार्य यथावत हो रहा था, लेकिन जब से आनंद कुमार सिंह को मगध विश्वविद्यालय का परीक्षा नियंत्रक बनाया गया तभी से इनके द्वारा मगध विश्वविद्यालय को पटरी पर लाने का कार्य किया जा रहा है। इन्होंने अपने कार्यभार में कड़ी मेहनत से सभी वर्ग के विद्यार्थियों का परीक्षा करवा रहे हैं साथ ही साथ वोकेशनल एवं ट्रेडिशनल कोर्स के बच्चों का परीक्षा फॉर्म भी भरवा रहे हैं और साथ ही साथ सही समय पर परीक्षा करवाने का वादा भी कर रहे हैं। इनके जैसा कर्मठ, जुझारू एवं संघर्षशील पदाधिकारी अगर हर विभाग में मौजूद हो जाए तो मगध विश्वविद्यालय बहुत जल्द नंबर 1 विश्वविद्यालय सूची में रहेगी। मौके पर मौजुद छात्र नेता अभिजीत सिंह राजपूत ने कहा कि हर कोई विद्यार्थी आज खुश है और मगध विश्वविद्यालय में हो रहे कार्यों से काफी हर्ष का माहौल है।

हम सभी विद्यार्थियों के लिए यह सभी प्रशंसा के पात्र सिर्फ और सिर्फ परीक्षा नियंत्रक आनंद कुमार सिंह हैं, जिस तरह मगध विश्वविद्यालय पटरी पर आ रही है उसी तरह अगर गया कॉलेज गया में भी स्वच्छ वातावरण का माहौल हो जाए तो गया कॉलेज गया अभी पहले जैसा कॉलेज बन जाएगा क्योंकि गया कॉलेज गया एक मजबूत प्राचार्य के द्वारा ही संभाला जा सकता है, विगत कई महीनों से अब गया कॉलेज गया कि विद्यार्थियों में डर का माहौल रहता है पता नहीं कब क्या हो जाए इसके लिए मगध विश्वविद्यालय कुलपति को ध्यान देना होगा।

इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति से सम्मानित विशाल राज के साथ छात्र नेता अभिजीत सिंह राजपूत,सुदर्शन यादव,सौरव कुमार, सत्यम सिंह राजपूत,गौरव कुमार, कौशिक कुमार, अंशु मिश्रा,सचिन सिंह, दिव्या कुमारी,विजेता कुमारी,सौम्या मिश्रा, शाखी कुमारी,राधा राजपूत,संजना पासवान एवम अन्य विद्यार्थी मौजूद थे।

बीजेपी की विचारधारा विभाजनकारी, वैमनस्यपूर्ण तथा ग़रीबों व दलितों के प्रति नफ़रत व पूर्वाग्रह से भरी है: कांग्रेस अध्यक्ष

पटना।कांग्रेस दर्पण

मैंने इसी नफ़रत व द्वेष की राजनीति की चर्चा की। मेरा बयान न व्यक्तिगत तौर से प्रधानमंत्री मोदी जी के लिये था ना किसी और व्यक्ति विशेष के लिए अपितु जिस विचारधारा का वो प्रतिनिधित्व करते हैं, उसके लिए था। प्रधानमंत्री मोदी जी के साथ हमारी लड़ाई निजी लड़ाई नहीं है। वैचारिक लड़ाई है। मेरा इरादा किसी की भावना आहत करने का नहीं था और अगर ज़ाने अनजाने में किसी की भावना आहत हुई तो ये मेरी मंशा कदापि नहीं थी और न ही यह मेरे लम्बे राजनीतिक जीवन का आचरण है। मैंने सदा दोस्तों व विरोधियों के प्रति राजनीतिक शुचिता की मर्यादाओं और परंपराओं को निभाया है और जीवन के आख़िरी सांस तक निभाउंगा। मैं बड़े पदों पर बैठे लोगों की तरह व्यक्तियों और उनकी तकलीफ़ों का मज़ाक़ नहीं उड़ाता क्योंकि मैंने ग़रीबों व दलितों का दुख दर्द देखा भी है और सहा भी है। पांच दशकों से भाजपा तथा फ़र की विभाजनकारी विचारधारा से, उनके नेताओं से, मेरा विरोध हमेशा से रहा है। मेरी राजनीतिक लड़ाई उनकी राजनीति के ख़िलाफ़ थी, है और हमेशा रहेगी।

मन की बात नही, जन की बात सुने प्रधानमंत्री

पटना। कांग्रेस दर्पण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की जगह यदि, जन (देशवासी) की बाते विगत नौ वर्षो से सुनते रहते, तो आज देश में कमरतोड़ मंहगाई, चरम सीमा पर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार का आलम, घोटाले की बाढ़ से आज देशवासी त्रस्त नहीं रहते।

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह क्षेत्रीय प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिठू, पूर्व विधायक मो खान अली, जिला उपाध्यक्ष राम प्रमोद सिंह, बाबूलाल प्रसाद सिंह, मौलाना आफताब खान, श्रवण पासवान, दामोदर गोस्वामी, अभिषेक श्रीवास्तव,शिव कुमार चौरसिया, अमित कुमार उर्फ रिंकू सिंह, उदय शंकर पालित, विपिन बिहारी सिन्हा, कुंदन कुमार, विशाल कुमार, मो समद, खालिद अमीन, मो अहमद रजा खान, आदि ने कहा की सन 2014 से सत्तासीन मोदी सरकार अपने नौ वर्षो के कार्यकाल में कभी भी ना तो जन की बाते सुनी, ना ही एक भी संवाददाता सम्मेलन किए, बल्कि उल्टे अपनी ₹ मन की बाते ₹ करते रहे, जिसका 100 वा एपिसोड 30 अप्रैल को वृहद तैयारी के साथ आयोजित हो रहा जिस दिन 100□ का सिक्का भी जारी होगा जिस पर ₹ मन की बात 100 ₹ लिखा होगा।

नेताओ ने कहा की इतिहास गवाह है की देश में ऐसे भी राजा हुए जो अपने वर्चस्व, ताकत को दिखाने हेतु चमड़े का सिक्का तक चलाया था, आज देश में वही बाते आमजन में चर्चा का विषय है की उसी तर्ज पर शायद माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यकाल में चार धातु रजत, तांबा, निकिल, जस्ता , का 100□ का सिक्का 30 अप्रैल को भारतीय टकसाल द्वारा जारी किया जाएगा।

नेताओ ने कहा भारत के इतिहास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ही देश के ऐसे प्रधानमंत्री है जो अपनी मन की बात ही करते है , कभी भी जन की बाते नही सुनते, ना ही कभी लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया से रू ब रू होकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते।

नेताओ ने कहा की प्रसार भारती ने मन की बात @100 कार्यक्रम का आयोजन किया है जिसमे प्रधानमंत्री के पसंदीदा 100 सभी क्षेत्रों के लोग भी शामिल होंगे, जिनसे प्रधानमंत्री जी पहले बाते कर चुके है।

नेताओ ने कहा की कार्यक्रम के समापन पर गृह मंत्री अमित शाह जी का संबोधन होगा, जिसे यह भी प्रमाणित होता है की देश में हम दो , हमारे दो यानी मोदी शाह, अडानीअंबानी की सरकार चल रही है।

भवदीय
विजय कुमार मिठू

अहंकार, आत्ममुग्ध, अमानवीय और संवेदनहीन प्रधानमंत्री

पटना। कांग्रेस दर्पण

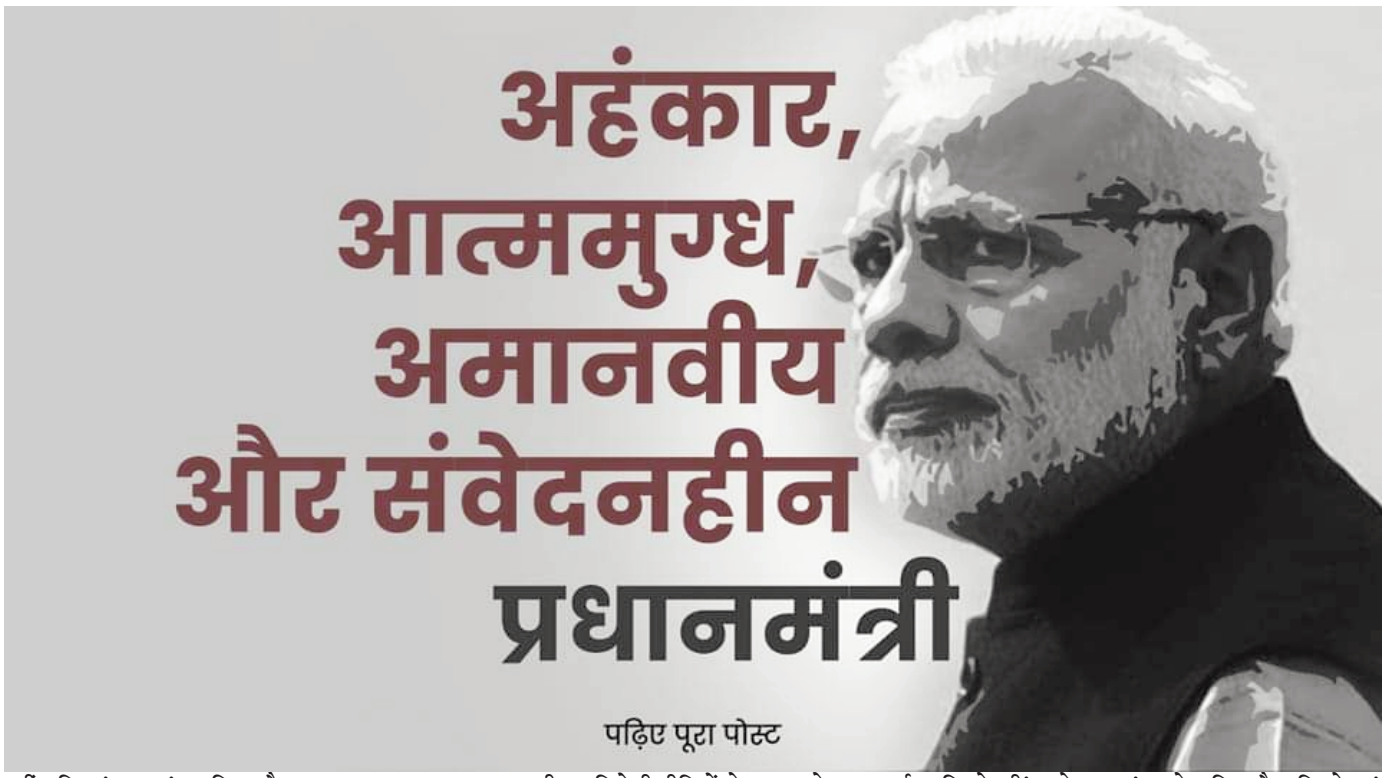

आपदा में अवसर तलाशने वाले प्रधानमंत्री के लिए 'आत्महत्या' जैसा संवेदनशील विषय महज 'चुटकुला' भर है। यह जितना अफसोसजनक है, उससे अधिक चिंतानजक।

भ्रष्टाचार को बढ़ाने वाली सरकारी नीतियों के कारण आज देश के नौजवान, किसान, बेरोजगार, छोटे–मझोले व्यापार करने वाले व्यवसायी वर्ग और महिलाएं तनाव में हैं, अवसाद में हैं। लोग एक साथ कई सरकारजनित समस्याओं से जूझ रहे हैं। मगर, प्रधानमंत्री की संवेदनहीनता बताती है कि भीषण बेरोजगारी, भुखमरी, महंगाई और भ्रष्टाचार के नर्क में फंसे देशवासियों के मानसिक स्वास्थ्य की उन्हें कोई चिंता नहीं है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में हर रोज 450 लोग आत्महत्या करने को मज़बूर हैं, लेकिन मोदी जी को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, उनके लिए तो यह केवल 'चुटकुला' है।

कोई व्यक्ति जब आत्महत्या करता है तो उसके परिजनों पर दुखों का कितना भारी पहाड़ टूटता है, यह वही महसूस कर सकते हैं। आत्महत्या जैसे गंभीर विषय का दर्द उस मां–बाप से पूछो, जिसके बेटे या बेटी ने आत्महत्या की हो। इसका दर्द उन बच्चों से पूछो, जिसके माता–पिता ने खुद को मार लिया हो। आत्महत्या ने लाखों परिवारों को उजाड़ दिया है, न जाने कितनों से हंसती–खेलती जिंदगी छीन ली है, न जाने कितनों घरों में हमेशा–हमेशा के लिए अंधकार कर दिया है। मगर प्रधानमंत्री के लिए यह 'दुख' का नहीं बल्कि 'मजाक' का विषय है।

मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूक करने की बजाय उनकी परेशानियों को चुटकुले के रूप में परोसना बिल्कुल अमानवीय और निर्लज्जता भरी हरकत है।

अपनी जनविरोधी नीतियों से जनता के दुख–दर्द को दिन–दूना, रात चौगुना बढ़ाने वाले प्रधानमंत्री से इसके अलावा उम्मीद ही क्या कर सकते हैं।

यह देश का दुर्भाग्य है कि देश के 'सबसे अधिक जिम्मेदारी' वाले पद पर 'सबसे अधिक गैर–जिम्मेदार' व्यक्ति बैठा है। लोकतंत्र में किसी जनसेवक का यह आचरण अहंकार, आत्मुग्धता, अमानवीयता और संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

सीएम को काला झंडा दिखाए जाने के जुर्म में चल रहे मुकदमे साक्ष्य के अभाव में खत्म

संवादाता । कांग्रेस दर्पण

दिनांक 27/04/ 2023 को सीजीएम कोर्ट में 11 साल से चल रहे सीएम को काला झंडा दिखाए जाने के जुर्म में चल रहे मुकदमे साक्ष्य के अभाव में खत्म किये गए।

बेगूसराय एनसयूआई के छात्र निशांत कुमार, स्वप्निल सोनू, विक्रम कुमार, पवन गाँधी, शिवकुमार, अभिषेक कुमार टिंकू को बाइज्जत बरी करवाने में जिला कांग्रेस की नेत्री अधिवक्ता शांति स्वामी, नेता सह अधिवक्ता संजय सम्राट जी का सराहनीय योगदान रहा।

अधिवक्ता द्वय ने बिना फीस लिए मुकदमे को फेस करते रहे।

छात्र संघ के नेताओं के एक साथ बरी होने पर जिला कांग्रेस के कद्दावर नेता सारजन सिंह, रामविलास सिंह, मुरलीधर मुरारी, ब्रजेश कुमार प्रिंस, संजय सिंह, रणजीत कुमार मुखिया जी, आलोक कुमार जग्गा, लखन पासवान, शिवशंकर पोद्दार ने अधिवक्ता द्वव शांति स्वामी, संजय सम्राट को साधुवाद देते हुए मुकदमा झेल रगें युबाओं को बधाई एवम शुभकामनाएं प्रेषित की।

आशय की जानकारी रणजीत कुमार मुखिया जी, पूर्व जिला सचिव बेगूसराय काँग्रेस कमिटी ने दी।

जन कल्याणकारी योजना की पूर्ण जानकारी दी

संवादाता । कांग्रेस दर्पण

माननीय मुख्यमंत्री अशोक जी गहलोत के आदेश अनुसार चलाए जा रहे हैं राहत कैंप में शिशुपाल सिंह जी निंबाड़ा द्वारा बोमादड़ा ग्राम पंचायत पंचायत समिति पाली में जनता के बीच जाकर माताओं बहनों और उनका मातृत्व का सानिध्य पाकर अपनत्व के साथ उनके पास बैठकर जन कल्याणकारी योजना की पूर्ण जानकारी दी साथ ही रानी के उप प्रधान श्रीमती शीला सिंह जी राजपुरोहित ने भी मातृशक्ति एवं सभी को योजनाओं से लाभान्वित करवाया

और सभी से ज्यादा से ज्यादा सरकार की चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाने का प्रचार प्रसार किया

टीम : शिशुपाल सिंह निम्बाडा
विधानसभा क्षेत्र - सुमेरपुर (121)

देश के जनता अब कांग्रेस के तरफ देख रहे है

संवादाता । कांग्रेस दर्पण

जीस प्रकार देश के भविष्य के साथ खीलबाड हो रहा है उससे जनता का आक्रोश बढते ही जा रहा है भाजपा के खिलाफ जीन वादो के साथ भाजपा सरकार मे आई उससे उल्ट ही कार्य कर रहा है एक भी जनता की हित के लिए कोई कदम नही उठाई गई जीस हाल मे थे उससे भी बुरी स्थिती मे लाकर खडा कर दिये गये आज जो भी विपक्ष के नेता जनता के हित की बात करते है उन्हे किसी न किसी केस मे फसा दी जाती है राहुल गांधी जी देश के लिए हमेशा सच्चे नेता के रूप मे अपना परिचय देते आऐ है और देश के सही मुद्दे को लेकर भाजपा को आईना दिखाने के काम करते आऐ है लेकिन भाजपा अपनी नाकामी छूपाने के लिए राहुल गांधी जी को फंसाया ताकी संसद मे बीजेपी के खिलाफ कोई बोले नही उससी प्रकार बिहार के उप–मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी को फंसाने की कोशिश किया जा रहा लेकिन जनता अब जान चुका है की भाजपा सिर्फ झूठो की पार्टी है अब 2024 केन्द्र से उखाड फेकेंगी भारत की जनता